एम.पी.ए.

एम.ए. (लोक प्रशासन)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2019-20

एम.ए. लोक प्रशासन प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2019 और जनवरी 2020 सत्रों के लिए

एम.पी.ए.–11 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन

एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक सिद्धांत

एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन

एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन

लोक प्रशासन संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2019-2020

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2020**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.पी.ए.–011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–011
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–011/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का हैं।

भाग–I

1. राज्य के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य का परीक्षण कीजिये।
2. राज्य के नव-उदारवादी परिप्रेक्ष्य पर एक टिप्पणी लिखिये।
3. समाज-प्रशासन संबंध पर वेबिरियन अवधारणा का वर्णन कीजिये।
4. भागीदारी के बदलते मानकों को उजागर कीजिये।
5. जेंडर मुद्दों के सामान्य मापदंडों की व्याख्या कीजिये।

भाग–II

6. भारत में नौकरशाही की भूमिका का परीक्षण कीजिये।
7. लोक प्रशासन पर वैश्वीकरण के प्रभाव की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखिये।
8. एक पूरक लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में नागरिक समाज से आप क्या समझते हैं।
9. 'समकालीन नौकरशाही उपागम वेबिरियन उपागम से बहुत अलग है।' टिप्पणी कीजिये।
10. भारतीय संदर्भ में सुशासन में पहल कदमों का वर्णन कीजिये।

एम.पी.ए.–12 : प्रशासनिक शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–012
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–012/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. लोक-प्रशासन के महत्त्व का परीक्षण कीजिये।
2. प्रशासन के सामान्य सिद्धांतों का वर्णन कीजिये।
3. वेबिरियन लोकतंत्र की विशेषताओं की चर्चा कीजिये।
4. औपचारिक और अनौपचारिक संगठनों की विशेषताओं को उजागर कीजिये।
5. ऐल्टन मेयो के हॉर्थोन प्रयोगों पर एक टिप्पणी कीजिये।

भाग–II

6. डग्लस मैकग्रेगर के सिद्धांत X तथा सिद्धांत Y की विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।
7. संगठनात्मक प्रभाव के मॉडलों पर हर्बर्ट साईमन के विचारों का परीक्षण कीजिये।
8. क्रिस आरगाइरिस के सामाजिक-मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण की चर्चा कीजिये।
9. संगठनात्मक प्रणाली पर चेस्टर बर्नार्ड के विचारों को स्पष्ट कीजिये।
10. राजनीति के विधिवत व्यक्तिवाद, तर्कसंगता तथा आर्थिक विश्लेषण पर एक टिप्पणी कीजिये।

एम.पी.ए.–13 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-013
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-013/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन के कार्य-क्षेत्र एवं विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
2. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में नई प्रौद्योगिकी की भूमिका का उदाहरणों के माध्यम से विश्लेषण कीजिए।
3. नौकरशाही तथा राजनीतिक कार्यपालिका के बीच के संबंधों के बदलते स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।
4. न्यायिक सक्रियता पर एक टिप्पणी लिखिए।
5. भारत जैसे संघीय देशों में अंतर-सरकारी संबंधों के महत्त्वपूर्ण पहलुओं को उजागर कीजिए।

भाग–II

6. सामरिक प्रबंधन को परिभाषित कीजिये तथा उसकी प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।
7. परियोजना प्रबंधन की अवधारणा तथा जीवन-चक्र का विश्लेषण कीजिए।
8. प्रमुख सामूहिक निर्णय लेने की तकनीकों की चर्चा कीजिए।
9. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन से अनुक्रिया उत्पन्न करने के महत्त्वपूर्ण तंत्रों का वर्णन कीजिए।
10. महिला सशक्तीकरण के मुद्दों तथा रणनीतियों का परीक्षण कीजिए।

एम.पी.ए.–14 : मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.-14
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.-14/टी.एम.ए./2019-20
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव संसाधन प्रबंधन को परिभाषित कीजिए तथा उसकी विशेषताओं को उजागर कीजिये।
2. मानव संसाधन नियोजन के लाभों एवं कमियों की चर्चा कीजिये।
3. 'कार्य-विश्लेषण' प्रक्रिया के लिए आंकड़े विभिन्न तरीकों द्वारा प्राप्त किए जाते हैं। चर्चा कीजिये।
4. भर्ती के अनिवार्य तत्वों की चर्चा कीजिये।
5. प्रेरणा और प्रोत्साहन पर एक टिप्पणी लिखिये।

भाग–II

6. 'अधिगम की प्रक्रिया न केवल एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है बल्कि प्राकृतिक प्रक्रिया है।' चर्चा कीजिए।
7. स्वास्थ्य और सुरक्षा को परिभाषित कीजिये तथा काम के तनाव को घटाने के उपायों की चर्चा कीजिये।
8. प्रबंधन में कार्यकर्ता की भागीदारी (WPM) को परिभाषित कीजिये तथा भागीदारी के विभिन्न स्वरूपों की चर्चा कीजिये।
9. 'औद्योगिक शांति, औद्योगिक संबंधों में सुधार हेतु प्रयासों का फल है', चर्चा कीजिये।
10. मानव संसाधन के लेखा परीक्षण पर एक टिप्पणी लिखिये।